पाठ - 7
चेतक की वीरता

मौखिक प्रश्नोत्तर -

उत्तर (क) इस कविता के रचयिता 'श्यामनारायण पाण्डेय जी' है।

उत्तर (ख) इस कविता मे हल्दीघाटी के युद्ध का वर्णन किया गया है।

उत्तर (ग) अरि-मस्तक से अभिप्राय है 'दुश्मन का माथा'।

उत्तर (घ) कवि ने चेतक की गति की तुलना 'हवा' से की है।

लिखित प्रश्न

1. सही उत्तर पर ✓ लगाइए।

क. चेतक की गति कैसी थी?

- धीमी
- ✓ तीव्र
- मंद

ख. चेतक का अद्भुत साहस देख कौन दंग रह गया?

- ✓ दुश्मन
- महाराणा प्रताप
- मित्र

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।

भाला गिर गया, गिरा निषंग,
हय-टापों से खन गया अंग।
वैरी समाज रह गया दंग,
घोड़े का ऐसा देख रंग।।

3. काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गिरता न कभी चेतक-तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।।

क. किन पंक्तियों से पता चलता है कि महाराणा प्रताप चेतक से बहुत प्रेम करते थे?

उत्तर- गिरता न कभी चेतक-तन पर, राणा प्रताप का कोड़ा था। इन पंक्तियों से पता चलता है कि महाराणा प्रताप चेतक से बहुत प्रेम करते थे।

ख. चेतक किस पर दौड़ रहा था?

उत्तर- चेतक अरि-मस्तक पर दौड़ रहा था।

ग. 'आसमान पर घोड़ा' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- 'आसमान पर घोड़ा' से अभिप्राय है कि चेतक अत्यंत तीव्र गति से दौड़ रहा था।

घ. 'चाबुक' का समानार्थी शब्द काव्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर- 'चाबुक' का समानार्थी शब्द है 'कोड़ा'।

4. उत्तर लिखिए।

क. कवि ने चेतक को निराला क्यों कहा है?

उत्तर- युद्ध में अपनी तीव्र गति के अद्भुत प्रदर्शन के कारण कवि ने चेतक को निराला कहा है।

ख. महाराणा प्रताप ने कभी चेतक को कोड़ा नहीं मारा। क्यों?

उत्तर- महाराणा प्रताप ने कभी चेतक को कोड़ा नहीं मारा, क्योंकि कभी इसकी आवश्यकता ही नहीं पड़ी। चेतक उनके इशारे पर हवा में दौड़ता हुआ पल में यहाँ पल में वहाँ पहुँच जाता था।

ग. चेतक शत्रुओं पर किस प्रकार टूट पड़ता था?

उत्तर- चेतक बढ़ी हुई नदी के समान लहराकर और विकराल वज्रमय बादल के समान गरजकर शत्रुओं की सेना पर टूट पड़ता था।

घ. कविता से चेतक की क्या प्रमुख विशेषताएँ उभरकर आती हैं?

उत्तर- कविता से चेतक की निम्न विशेषताएँ उभरकर आई हैं, वह बहुत स्वामिभक्त था। उसकी गति अति तीव्र थी। वह बहुत चौकन्ना था।

5. सुनो और लिखो।

महाराणा प्रताप पुतली अरि-मस्तक निर्भीक करवालों वज्रमय निषंग घहर चौकड़ी विकराल

सोचो और बताओ

महाराणा प्रताप के प्रति चेतक की स्वामिभक्ति किस बात में सबसे अधिक दिखाई देती है?

उत्तर:- युद्ध में बुरी तरह घायल होने पर भी महाराणा प्रताप को सुरक्षित रणभूमि से निकालना चेतक की महाराणा प्रताप के प्रति उसकी स्वामिभक्ति को दर्शाता है। घायल होकर भी वह महाराणा प्रताप के प्रति अपनी निष्ठा और कर्तव्य को नहीं भूलता और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुँचाकर ही रुकता है।

भाषा बोध

1. दिए गए शब्दों में से उपसर्ग अलग करके लिखिए।

क. निर्भीक निर + भीक

ख. सुघड़ सु + घड़

ग. प्रताप प्र + ताप

घ. उत्साह उद् + साह

ङ. भरसक भर + सक

च. निपुण नि + पुण

वे शब्दांश, जो मूल शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

2. मूल शब्द और प्रत्यय को जोड़कर नया शब्द बनाइए।

क. नद + ई नदी

ख. दौड़ + ना दौड़ना

ग. गिर + आवट गिरावट

घ. चढ़ + आई चढ़ाई

ङ. पशु + त्व पशुत्व

च. बिक + आऊ बिकाऊ

वे शब्दांश, जो मूल शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

3. समानार्थक शब्द लिखिए।

क. रण युद्ध

ख. घोड़ा हय

ग. हवा वायु

घ. आसमान आकाश

ङ. शत्रु अरि

च. बादल घन

4. वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए।

क. आदि आदि से लेकर अंत तक इस स्थान का गुणगान होता रहा है।

आदी कुछ लोग बहुत अधिक खाने के आदी होते हैं।

ख. बैरी चेतक की चाल देखकर बैरी समाज दंग रह गया।

बेरी बेरी पर मीठे बेर लगे थे।

ग. हय महाराणा प्रताप के हय का नाम चेतक था।

हिय चेतक अपने पराक्रम के कारण लोगों के हिय में बसा हुआ है।

घ. बाग चेतक बाग हिलाते ही चल पड़ता था।

बाघ बाघ को देखकर सभी डर गए।

5. समान लयवाले शब्द लिखिए।

क. निराला पाला

ख. कोड़ा घोड़ा

ग. यहाँ वहाँ

घ. ढालों करवालों

ङ. लहर ठहर

च. निषंग अंग

6. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखिए।

क. जिसे कोई डर न हो निडर

ख. जो दूसरों से अलग हो निराला

ग. चमड़े या बड़े सूत से बना मोटा चाबुक कोड़ा

घ. जो बहुत कठोर हो वज्रमय